सतमाए

सतमाए

जगदीश प्रसाद मण्डल



पल्लवी प्रकाशन
बेरमा/निर्मली

SATMAY (सतमाए)
One-Act Play by Shri Jagdish Prasad Mandal

ISBN: 978-93-87675-35-3
दाम: 100/- (भा.रु.)

तेसर संस्करण: 2023

प्रकाशक: पल्लवी प्रकाशन
तुलसी भवन, जे.एल.नेहरू मार्ग, वार्ड नं.: 06, निर्मली
जिला- सुपौल, बिहार: 847452
मुद्रक: पल्लवी प्रकाशन (मानव आर्ट)

वेबसाइट: http://pallavipublication.blogspot.com
ई-मेल: pallavi.publication.nirmali@gmail.com
मोबाइल: 6200635563; 9931654742

फोण्ट सोर्स: https://fonts.google.com/,
https://github.com/virtualvinodh/aksharamukha-fonts
आवरण चित्र: श्रीमती पुनम मण्डल, निर्मली (सुपौल), बिहार: 847452
अक्षर संयोजन: डॉ. उमेश मण्डल

समर्पण

मिथिलाक वृन्दावनसँ लऽ कऽ बालुक ढेरपर बैसल
फुलवाड़ी लगौनिहार एवम्
नव विहान अननिहारकेँ
समरपित

पात्र-परिचय

पुरुख पात्र-

बुद्धिधारी-	स्कूलक प्रधानाध्यापक। उमेर- 40 बर्ख।
बिपैत बाबू-	सहायक शिक्षक। उमेर- 40 बर्ख।
पुलकित-	चतुर्थवर्गीय करमचारी। उमेर- 40 बर्ख।
चिन्तामणि-	बिपैत बाबूक भावी ससुर। उमेर 60 बर्ख।
शिवकुमार-	बिपैत बाबूक बेटा। उमेर 18 बर्ख।

नारी पात्र-

सुलक्षणी-	बिपैत बाबूक माए। उमेर 60 बर्ख।
सावित्री-	चिन्तामणिक पत्नी। उमेर- 58 बर्ख।
खजुरिया-	ग्रामीण स्त्री। उमेर- 25 बर्ख।
तेतरी-	खजुरियाक बहिनपा। उमेर- 25 बर्ख।

पहिल दृश्य-

विद्यालय। समय माघक ३ बजे। स्कूलक आँगनमे बुद्धिधारी बाबू (*प्रधानाचार्य*) *बिपैत बाबू* (*सहयोगी शिक्षक*) *कुरसीपर आ पुलकित* (*चतुर्थवर्गीय कर्मचारी*) *स्टूलपर बगलमे बैस गप-सप्प करैत।*

बुद्धिधारी- आब विद्यालयमे नै मोन लगैए। होइए जे करवन रिटायर भऽ जाइ। करवनो कऽ तँ एहनो भऽ जाइए जे भोलेन्ट्री रिटायरमेंट लऽ ली।

पुलकित- से किए मास्सैब?

बुद्धिधारी- तोहूँ तँ पनरह-बीस बर्खसँ संगे रहिते छह देखते छहक जे की मान-प्रतिष्ठा स्कूलो आ शिक्षकोक छल आ अखैन की अछि।

पुलकित- ऐ जुगमे मान-प्रतिष्ठा लऽ कऽ धो-धो चाटब। भने दिन-राति दरमाहा बढ़बे करैए, सुखसँ जीबू।

बुद्धिधारी- (*कनडेरीए आँखिए पुलकित दिस देख*) तूँ जे सवाल उठेलह पुलकित, ओ बड़-भारी अछि। मुदा प्रश्न तोहर छिअ तँए जवाब देब उचित भऽ गेल। (*जिज्ञासासँ बिपैत बाबू बुद्धिधारी बाबूक नजैरपर आँखि गाड़ि मोनकेँ असथिर कऽ सुनैक बाट तकै छैथ...*)

पुलकित- मास्सैब, जहिना खेतक आड़ि-धूड़ बाढ़िक बेगमे बिगैड़ जाइत तहिना भऽ गेल अछि।
(*पुलकितक दोहरौल प्रश्नसँ बुद्धिधारी बाबूक मोन आरो अमता गेलैन। मुदा धैर्यसँ शक्ति जगबैत*)

बुद्धिधारी- पुलकित, जेते सुख आ चैनसँ जीबए चाहै छी ओते दुख आ बेचैनी बढ़ल जाइए। तोंही कहऽ जे बिना काजक बोइन जे भेटतह ओ अन्न देहमे लगतह।

पुलकित- (*औगता कऽ*) से केना लगत। काजमे जेते देह दुहाइत अछि ओते भूख जगै छै जेते भूख जगै छै ओते अधिक अन्न पचै छै। देह थकबे ने करत तँ भूख केना जागत। जँ भूख नै जागत तँ खाइक क्षुधा केना हएत? जेहेन खाइ अन्न तेहेन बने मोन, जेहेन बने मोन, जेते जगे अर्पण।

बुद्धिधारी- अपने विद्यालयक खिस्सा कहै छिअ। जइ दिनमे एलौं ओइ दिनमे एगारह गोरे शिक्षक रही आ चारू किलास मिला कऽ साढ़े चारि साए विद्यार्थी रहए। साइंस, कौमर्स आ आर्ट तीनू फेक्लटी रहए।

पुलकित- चपरासी केतेक रहए?

बुद्धिधारी- (*मुस्की दैत*) एक्केटा। काजो कम रहए। अच्छा सुनह। सभ किलासमे सेक्शन चलैत रहए। अखैन

देखहक जे रजिष्टरमे छह साए विद्यार्थी आ सतरह गोरे शिक्षक छी।

पुलकित- हँ, से तँ छी।

बुद्धिधारी- मुदा की देखै छहक जे आइ मात्र चर्तुदशी छी, ने शिक्षक एला आ ने छात्र।

पुलकित- छुट्टीक दरखास आएल कि नै?

बुद्धिधारी- एक्कोटा नै।

पुलकित- मास्सैब, ऐ बुढ़ाड़ीमे केते माथा-पच्ची करब। भरमे-सरम अपन जिनगी आ परिवारकेँ देखियौ।

बुद्धिधारी- से उचित हएत?

पुलकित- रूइया जकाँ जे माथ धुनि-धुनि उड़ेबे करब तइसँ सीरक केना बनत?

(*बिपैत बाबूपर नजैर दैत*)

बुद्धिधारी- एते दिन तँ नै कहलौं बिपैत बाबू, किएक तँ साल नै लगल छल मुदा आब तँ सालसँ ऊपर भऽ गेल। एकटा बात पुछू?

बिपैत बाबू- एकटा किए हजारटा पूछि सकै छी। जखैन सभ दिन एकठाम रहै छी, एक पेशा अछि, तखैन पुछैले आदेशक की प्रयोजन?

बुद्धिधारी- अहाँ बिआह कऽ लिअ?

बिपैत बाबू- यएह जे दूटा बेटो-बेटी अछि।

बुद्धिधारी- मानै छी। मुदा ई कहू जे बेटा-बेटीक उमेर केते अछि?

बिपैत बाबू- अपने विद्यालयमे बेटा एगारहममे पढ़ैए आ बेटी नाइन्थमे।

बुद्धिधारी- (*आंगुरपर हिसाब जोड़ि*) चौदह-पनरह बर्खक बेटा आ बारह-तेहर बर्खक बेटी हएत?

बिपैत बाबू- करीब-करीब।

बुद्धिधारी- पान-सात बर्खमे बेटी सासुर चलि जाएत। जे हवा बनि रहल अछि ओइमे जँ बेटाकेँ इंजीनियर वा एम.बी.ए. नै कराएब सेहो नै बनत।

बिपैत बाबू- जँ से नै कराएब तँ हँसारते हएत। तैपरसँ ईहो दोख लागत जे माए मरिते बेटा-बेटीकेँ बिपैत कुभेला करै छै।

बुद्धिधारी- (*किछु सोचैत*) कहलौं तँ ठीके। मुदा जँ अपना काजमे कमी नै आनब तँ लोक बाजत किए। कहुना तँ पच्चीस-तीस हजार महिना उठैबते छी। असानीसँ सभ काज चला सकै छी।

बिपैत बाबू- (*मुड़ी डोलबैत*) एक तरहक विचार अछि।

बुद्धिधारी- (*नमहर साँस छोड़ैत*) ई भार हमरा ऊपर रहल। जहिना एक-एक समस्या डोरीक सूत जकाँ बाँटल अछि तहिना ओकरा खोलि कऽ उघारि-उघारि सोझराबए पड़त।

पुलकित- (*फरैक कऽ*) मास्सैब, कँटहो बाँस तँ लोके काटि कऽ घरमे लगबैए आ ई कोन ओझरी छिऐ।

बुद्धिधारी- एक आदमीक समस्या (ओझरी) केतेकोकेँ ओझरबैए। तँए औगुता कऽ किछु बाजि देब वा करैले डेग उठा देब, अनुचित हएत। (*घड़ी देख कऽ*) सवा तीन बजिये गेल। काजो नहियेँ जकाँ अछि। चाभी लऽ कऽ क्लासोक कोठरी आ ऑफिसो बन्न कऽ दहक।

(*पुलकित चाभी लेल बढ़ए लगल। दुनू गोरे कुरसीपर सँ उठि गेला। दुनू कुरसियो आ स्टूलो ऑफिसमे रखि कोठरी बन्न कऽ पुलकित अबैए।*)

बुद्धिधारी- बिपैत बाबू, अहाँक जिनगी देख मोनमे उदिग्नता उठि रहल अछि।

बिपैत बाबू- किए?

बुद्धिधारी- अपना सभ समाजक उच्च श्रेणीक रहितो जिनगी आ मनुखक रहस्य नै बूझि रहल छी। जे सहजे निम्न श्रेणीक (बौद्धिक) छैथ ओ केना बुझत। जँ से नै बुझत तँ अमती काँट जकाँ ओझरी (जिनगीक) केना छोड़ा पौत?

बिपैत बाबू- (*मुड़ी डोलबैत*) बड़ गंभीर बात कहलौं।

बुद्धिधारी- सदैत इच्छा रहैए जे सबहक परिवार नीक जकाँ फड़ै-फुलाइ मुदा से कहाँ भऽ पबैए। जहिना आगू बढ़ल चिन्ताग्रस्त (दुखी) तहिना पछुआएल। आखिर एना होइ किए छै?

पुलकित- मास्सैब, अनेरे मोन भरियौने छी। हँसि-खेल जिनगी गुदस कऽ ली सभसँ नीक।
(*पुलकितक बात बुद्धिधारीक करेजकेँ आरो बेध देलकैन। मुदा कोढ़मे चोट लगने असीम दरदो होइत तँ मुहसँ हँसियो फुटैत।*)

बुद्धिधारी- (*मुस्की दैत*) पुलकित, औझका दरमाहा तँ फोकटेमे भेल किने?

पुलकित- फोकटमे केना भेल। भरि दिन बरदाएल जे रहलौं।

बुद्धिधारी- अच्छा चलह संगे, तोरे ऐठाम चाह पीब।

पुलकित- दुआर पर तँ नहियेँ पीआएब दोकानमे जरूर पीआ देब।

बुद्धिधारी- से किए?

पुलकित- घरवाली व्रत केने छैथ। ओ तँ अनेरे पेटकान लधने हेती। तैपर चाह बनबए कहबैन। बाढ़ैन सूप छोड़ि आरो किछु भेटत।

बुद्धिधारी- तखैन तँ तोहर घरवाली बड़ धर्मात्मा छथुन?

पुलकित- सोलहन्नी। बिना धरमत्मे भरि दिन खटै छी आ दरमाहा हुनका हाथ पड़ै छैन।

बुद्धिधारी- धर्मो केते रंगक होइए?

पुलकित- मास्सैब, अहीं मुहेँ ने सुनने छी, जेते रंगक लोक तेते रंगक धरम। कियो कोदारि पाड़ि पसिना चुबा धरम-करम (धर्म-कर्म) बुझैए, तँ कियो बम-गोली लऽ धर्म-कर्म बुझैए। कर्म तँ दुनू करैए। ❑

दोसर दृश्य-

(बिपैत बाबूक दरबज्जा। सुलक्षणी माए आ शिव कुमार (बिपैत बाबूक बेटा) दरबज्जापर बैसल। (बुद्धिधारी, बिपैत बाबू आ पुलकितक प्रवेश। सुलक्षणीकेँ गोड़ लगैत बुद्धिधारी। उठि कऽ ठाढ़ होइत सुलक्षणी कुरसीकेँ आँचरसँ झाड़ैत।)

सुलक्षणी- ऐपर बैसू। (बुद्धिधारीकेँ बैसते) बाल-बच्चा सभ आनन्दसँ छैथ किने?

बुद्धिधारी- भगवानक कृपासँ सभ आनन्दित अछि।

सुलक्षणी- भगवान नीक करैथ। अहिना सभ दिन परिवार फुलाइत-फड़ैत रहए।

बुद्धिधारी- एकटा विचार लेल एलौं?

सुलक्षणी- हम कोन जोकरक छी जे अहाँकेँ विचार देब। तखैन तँ जे बुझै छी सएह ने कहब।

बुद्धिधारी- बिपैत बाबूकेँ बड़ कष्ट होइ छैन। तँए विचार भेल जे ओ दोसर बिआह कऽ लथि।

सुलक्षणी- (*कनीकाल चुप रहि*) जहिना बेटा बिपैत अछि तहिना अहूँकेँ बुझै छी बौआ। तँए बजैमे धड़ी-धोखा नै होइए। हमर आशा केते दिन? वृद्ध भेलौं, करवन छी करवन नै, तेकर कोनो ठेकान नै अछि।

बुद्धिधारी- तँए ने विचार करबाक अछि।

सुलक्षणी- दुनियाँमे ने सभ मनुख एक रंग अछि आ ने एक रंग चालि-ढालि छै। निको छै अधलो छै।
(*कहि चुप भऽ जाइत*)

बुद्धिधारी- अहाँक विचार की अछि?

सुलक्षणी- के अपन परिवारकेँ उजड़ैत-उपटैत देखए चाहत।

बुद्धिधारी- अपन जे अखैन परिवार अछि, ओ केना लहलहाइत रहत अइले ने विचारैक जरूरत अछि?

सुलक्षणी- बिपैत हमर बेटा छी आ शिवकुमार पोता छी। दुनू केना नीक-नहाँति जिनगी बितौत सएह ने मोनमे अछि। पोती तँ पाँच बर्खक पछाइत सासुर जाएत।

बुद्धिधारी- (*मुड़ी डोलबैत*) हँ, कहलौं तँ नीके, मुदा...?

सुलक्षणी- मुदा की?

बुद्धिधारी- मुदा यएह जे जहिना पोखैरमे करहर-सौरखीक जनमौटी गाछक पात पकैड़ ओरिया कऽ गाछ पकैड़ जड़िमे (निच्चाँमे) पहुँच उखाड़ल जाइत अछि तहिना केलासँ परिवारक कल्याण हएत।

सुलक्षणी- बौआ, अहाँक बात नै बुझलौं?

बुद्धिधारी- परिवारमे जेते गोरे छी सबहक जिनगीक डोरि पकैड़-पकैड़ ठौर धरबए पड़त। तखने जा कऽ सुढ़ियाएत।

सुलक्षणी- (*मुड़ी डोलबैत*) कहलौं तँ ठीके मुदा समाजो तँ तेहेन अछि जे नीक-अधला बात बाजि मोनकेँ घोर कऽ दैत अछि। जइसँ लोकक विचारमे धक्का लगै छै। (*कहि चुप भऽ जाइत*)
(*बिच्चेमे पुलकित*)

पुलकित- मास्सैब आ चाची, दुनू गोरेकेँ कहै छी। बिपैत भाय एकबतरीए हेता। हमर जे घरवाली मरल रहैत तँ केकरोसँ पुछबो ने कैरतिऐ आ दोहरा कऽ बिआह कऽ नेने रहितौं। (*पुलकितक बात सुनि*)

बुद्धिधारी- (*हँसैत*) पुलकित, परिवारक संग समाजोक विचार करए पड़ै छै।

पुलकित- समाजकेँ अपने ठेकान नै छै। निकोकेँ अधला कहैए आ अधलोकेँ नीक।

बुद्धिधारी- हँ, से तँ अछि।

पुलकित- (अपना विचारपर जोर दैत) मास्सैब, जे समाज केकरो घर नै बना सकैए ओकरा कोन अधिकार छै जे केकरो घर उजाड़ै।

बुद्धिधारी- कहलह तँ ठीके मुदा औगताइमे किछु करबो तँ सभ नीके नै होइत अछि। अधलो भऽ सकैए।

पुलकित- हँ, से तँ होइतो अछि।

बुद्धिधारी- तँए ने विचारक जरूरत अछि। तूँ तँ बिपैत बाबूक परेशानी देख धाँइ दऽ बजलह। तोहर विचार कटैबला नै छह।

पुलकित- एकबेर आरो चाह पीबू तखैन मोन आरो खनहन हएत। जइसँ झब दऽ रस्ता भेटत।
(*पुलकितक बात सुनि*)

बिपैत बाबू- बौआ (शिवकुमार) चाह बनौने आबह। पुलकितक कपमे कनी बेसी कऽ चीनी देने अबिहऽ।

पुलकित- हम की आन दुआरे चाह पीबै छी मीठे दुआरे पीबै छी की। जावतो जीबै छी तावतो जँ हँसी-खुशीसँ नै जीयब तँ अनेरे जीबिए कऽ की करब।
(*चाह अबैए सभसँ पहिने पुलकितेक कप बढ़बैए।*)

बुद्धिधारी- हमरो कपक चाह कनी पुलकितमे ढारि दहक।

पुलकित- एँह, मास्सैब केहेन गप बजै छी। अनकर हिस्सा खाएब से पचत।

बुद्धिधारी- (*हँसैत*) हमरा आन बुझै छह?

पुलकित- नै मास्सैब, मुहसँ निकलि गेल। अच्छा कनी ढारि दियौ।
(*चाह पीब पान खा*)

बुद्धिधारी- चाची, बिपैत बाबू जँ दोसर बिआह करैथ तँ अहाँकेँ कोनो विरोध नै ने?

सुलक्षणी- नै। आब हमरा की चाही। वस एतबे ने जे पाँच कर भोजन आ पाँच हाथ वस्त्र भेटैत रहए।

बुद्धिधारी- बाउ, शिवकुमार, अहाँ मोनमे की बनैक (पढ़ैक) विचार अछि?

शिवकुमार- अखैन तँ हाइए स्कूलमे छी। मुदा मोनमे अछि जे चाहे इंजीनियरिंग वा एम.बी.ए. पढ़ी।

बुद्धिधारी- बहुत बढ़ियाँ। मुदा जखैन इंजीनियर वा एम.बी.ए. करबह तखैन तँ नोकरी करए कारखाना वा शहर-बजार जेबह। परिवारो (पत्नी) जेथुन।
(*शिवकुमार गुम भऽ जाइत अछि*)

बुद्धिधारी- चुप किए भेलह। बाजह।

शिवकुमार- हँ।

बुद्धिधारी- बात तोंही कहऽ जे दादी मरि जेथुन, तों परिवारक संग शहर चलि जेबह, बहिन सासुर चलि जेतह, ऐठाम बिपैत बाबूक दशा की हेतैन?

शिवकुमार- मास्सैब, अहाँ बाबूक संगीए टा नै छिऐन, गुरुओ छी। अपने जे कहब शिरोधार्य अछि।

बुद्धिधारी- बिपैत बाबू, दुनियाँमे मनुख खराब नै होइत अछि। ओकरा बनबैमे नीक-अधला होइ छै। जइसँ नीक-अधला बनैए।

पुलकित- हँ, से तँ होइ छै।

बुद्धिधारी- माए लेल बेटा-बेटी, बेटा-बेटी लेल पिता आ पत्नी (बिआहक पछाइत) लेल पति बनि आगूक जिनगी बना जीब। यएह अन्तिम बात अछि। पुलकित एकटा कनियाँ ताकह। ❑

तेसर दृश्य-

(तेतरी आ खजुरिया विपरीत दिशासँ अबैत बाटपर भेँट।)

खजुरिया- फुल केतए दौगल जाइ छी। पएरपर पएर नै पड़ैए?

तेतरी- की कहब फुल, देखियौ जे सुरूज सिरपर आबि गेल, अखैन तक भानस नै चढ़ैलौं। अपने (पति) नहाइले गेल हेता भानस चढ़ेबे ने केलौं।

खजुरिया- किए ने अखैन तक भानस चढ़ेलौंहें?

तेतरी- की पुछै छी फुल, (*मुस्की दैत*) रजकुमराकेँ देखियौ जे पहिलुका (*विआही*) बहु छोड़ि कऽ अबलट लगाकेँ चलि गेल छेलै जे ऐहेन पुरुखसँ खनदान नै बढ़त। जखैन ओ (रजकुमरा) चुमौन कऽ लेलक तखैन फेर घूमि कऽ अपने फुरने चलि आएल।

खजुरिया- चलि एलै तँ रखि लिअ। जहिना अबलट लगा पड़ाएल जे ऐ पुरुखसँ खनदान नै बढ़तै तहिना कमाएत-खाएत अपन रहत। जखैन रहैक मोन हेतै रहत जाइक मोन हेतै जाएत। तइले एते मत्था–पच्ची करबाक कोन जरूरत छै?

तेतरी- जेहने खेलाड़ि मौगी छै तेहने रजकुमरा अपने अछि। हँसि-हँसि बजैत रहैए तँए बुझै छिऐ। नमरी अछि, नमरी।

खजुरिया- ओइ पाछू अहाँक भानसक अबेर किए भऽ गेल। झगड़ा केकरो आ काज छुटि गेल अहाँकेँ?

तेतरी- नून आनए दोकान विदा भेलौं आकि हल्ला सुनलिऐ, भेल जे केकरो किछु भऽ गेलै। ससरि कऽ गेलौं तँ यएह रमा-कठोला देखलिऐ। ओही लटारममे लागि गेलौं।

खजुरिया- फेर भेलै की?

तेतरी- की हेतै। मोन दुनूक लसिआएल बूझि पड़ल। मुदा हारल तँ दुनू अछि। लाजे लोक लगमे की बाजत तँए दुनू अनकर मोन पतिअबै छै। अखैन जाए दिअ फुल। निचेनमे सभ गप कहब।

खजुरिया- भानस हेबे करतै मुदा अदहा गप कहि कऽ छोड़ि देलिऐ। अखैनसँ पेटमे उनटैत-पुनटैत रहत। अनका पुरुख जकाँ की हिनकर पुरुख छैन जे मुँह अलगौतैन?

तेतरी- मुँह जे अलगौत से कोन सपेतकऽ। कमा कऽ हाथमे आनि दइ छैथ मुदा नूनसँ हरैद धरि तँ हमरे जोरह पड़ैए। भरि दिन दौगैत-दौगैत तबाह रहै छी।

खजुरिया- एकटा गप सुनलिऐ हेन?

तेतरी- की? नै!

खजुरिया- गाममे नै छेलखिन?

तेतरी- गाममे की कोनो एक्केटा गप चलैए जे सभ एक्के गप सुनत? रंग-बिरंगक गप पुरवा-पछवा जकाँ सदिखन चैलते रहैए की?

खजुरिया- अखैन ईहो अगुताएल छैथ आ हमरो काज सभ अछि। करवनो निचेनमे दुनू फुल गप कऽ लेब।

तेतरी- तोहुँ हद करै छह। आ जे बिसैर जा?

खजुरिया- एहनो गप विसरल जाइए।

तेतरी- हँ, तँ विसरल जाइए कि? आ जे अहूसँ निम्मन गप आबि जाए तँ हल्लुक गप लोक बिसरिये जाइए किने?

खजुरिया- हँ, बेस कहलैथ। मुदा खरिआइर कऽ नै कहबैन। ऊपरे-झापरे कहि दइ छिऐन।

तेतरी- हँ, सएह कहऽ।

खजुरिया- पढ़ि-लिखि कऽ तँ आरो लोक गाम घिनबैए।

तेतरी- से की?

खजुरिया- एँह, की कहबैन?

तेतरी- नै-नै, कनी फरिया कऽ कहू।

खजुरिया- बिपैत मास्टर दोसर बिआह करता?

तेतरी- तँ ई कोन बड़-भारी बात भेल। वेचाराक स्त्री मरि गेलैन भानस-भातमे दिक्कत होइत हेतैन।

खजुरिया- एँह, अहिना बुझै छथिन।

तेतरी- से की?

खजुरिया- आइ जँ बेटा-बेटी नै रहितैन तखैन जँ करितैथ तँ एकटा सोहनगर होइतै। जखैन बेटा-बेटी ढेरबा-जवान भेल तखैन किए करै छैथ।

तेतरी- (*मुँह बन्न केने*) हूँ।

खजुरिया- हमरा काकाकेँ देखलखिन। वेचारेकेँ तँ एक्केटा बेटी भेलैन आ काकी मरि गेलैन। केतबो लोक हिला-डोला कऽ रहि गेल तैयो मानलखिन।

तेतरी- हँ, से तँ बेस कहलौं।

(*कनीकाल चुप रहि*) हूँ... ।

खजुरिया- भानसो भातक दिक्कत की होइ छैन। अखैन हाथी सन माइयो छेबे करैन, बेटियो भानस करै जोकर भाइये गेलैन तखैन किए करै छैथ। पुरुखक किरदानी बुझबै।

तेतरी- अपने फुरने करै छैथ आकि घरोक लोकक विचार छैन?

खजुरिया- एँह, हद करै छी। अहाँ नै देखै छिऐ जे आबक बेटा-बेटी माए-बापसँ केहेन पुछै छै।

तेतरी- से तँ ठीके कहै छी। मुदा सभ की एक्के-रंग होइए। हमरे घरबला छैथ, मरैयौ बेर तक माइएक कहलमे रहला। बेटो ने मनाही केलकैन।

खजुरिया- बेटा की मनाही करतैन। चुमौन कऽ कऽ कनी घर आबए दियौ तखैन ने हुरयाहा देखबै। जहिना बुढ़ीकेँ अतर-गुलाबसँ मालिश करतैन तहिना ने बेटो-बेटीकेँ टेमपर खाइले देतैन।

तेतरी- सभ सतमाए की एक्के रंग होइए। ने सभ बिऔहती नीके होइए आ ने सभ समदाही अधले होइए। पुरुखे की सभ एक्के रंग होइए?

खजुरिया- हँ, से तँ बेस कहलौं। मुदा ओहिना नै ने लोक बजैए।

तेतरी- से बाजह। गामेमे सोनमाकेँ देखै छिऐ। जहियासँ समदाही एलै तहियासँ घरमे लछमी आबि गेलै। से तँ मनुख-मनुखपर छै।

खजुरिया- मुदा नीके औतैन तेकर कोन बिसवास?

तेतरी- से तँ ठीके।

खजुरिया- मुदा..?

तेतरी- मुदा की? यएह ने जे जेहेन परिवारक लोक रहत तेहने ने नवका मनुख बनत।

खजुरिया- ई की बिपैत मास्टरकेँ बुझै छथिन?

तेतरी- हम तँ नीके बुझै छिऐन।

खजुरिया- घुइयाँ पुरुखक चालि यएह बुझथिन। मुड़ी गोंति कऽ चललासँ हेतैन। महकारी जकाँ पुरुख होइए। तरे-तर तेना ने बिठुआ काटि लेतैन जे बुझबे ने करथिन।

तेतरी- जाए दियौ नीक की अधला अपना परिवारमे हेतैन तइसँ हमरा-हिनका की?

खजुरिया- हमरा की? एना किए बजै छी। गाम की हमर नै छी जे जेकरा जे मोन फुड़तै से करत आ टुकुर-टुकुर देखैत रहब।

तेतरी- अनकर झगड़ा मोल लेब।

खजुरिया- किए ने लेब? झगड़ाक डर करब तँ एक्को दिन गाममे बास हएत।

तेतरी- (*आँखि उठा कऽ ऊपर दिस देख*) बड़ अबेर भऽ गेल। आइ बात-कथा सुनबे करब।

खजुरिया- एकटा बात तँ कहबे ने केलिऐन?

तेतरी- की?

खजुरिया- ढोरबा फेर चुमौन केलक हेन।

तेतरी- ओकरा तँ मारे धियो-पुतो आ घरोवाली छइहे?

खजुरिया- (*बिहुँसैत*) छठम छऐ।

तेतरी- निरलज्जा-निरलज्जी सभ सभ उठा कऽ पीब नेने अछि। जहिना पुरुखक धनमण्डल अछि तहिना मौगीक। एकरा सभले रौदी-दाही ऐबते अछि। ❑

चारिम दृश्य-

(*चिन्तामणिक दरबज्जा*)

चिन्तामणि- (*स्वयं*) हे भगवान अधमरू जिनगीमे किए फँसौने छी। अइसँ नीक जे मौगैत दिअ। आशाकेँ जेते हृदेसँ लगबए चाहै छी ओते ओ पिछैर-पिछैर हटैत जाइए आ जिनगीकेँ अन्हार बनौने जाइए। अपनो भ्रम भेल जे आशा-निराशा (अन्हार-इजोत) केँ शब्दकोषक शब्द मात्र बुझलिऐ। मुदा आइ बूझि रहल छी जे खाली शब्दकोषेक शब्द नै जिनगी छी। एते दिन माइयो-बापक उत्तरी गरदेनमे लटकने घर-घराड़ी उपटै छल मुदा आब तेसरो उत्तरी लटकए लगल। खैर, जे जिनगी देलह ओ तँ भोगबे करब। मुदा मरैओ बेर तक माछी जकाँ नाकपर नै बैसऽ देब। जाबे आँखि तकै छी तकै छी, बन्न हएत, हएत।

(*पुलकितक प्रवेश*)

अहाँ के छी, किनकासँ काज अछि?

पुलकित- आदर्श स्कूलक चपरासी छी, बुद्धिधारी बाबू पठौलैन अछि।

चिन्तामणि- (*आँखि ऊपर उठबैत*) के...। बुद्धिधारी बाबू। आदर्श स्कूलक शिक्षक। ओ तँ हमरा नै जनै छैथ, फेर...।

पुलकित- पता चललैन जे चिन्तामणिबाबूकेँ कन्या छैन। जँ ओ कन्याक बिआह बिपैत बाबूक संग करए चाहैथ तँ...?

चिन्तामणि- बिपैत बाबू...।

पुलकित- हँ-हँ। ओहो सहयोगीएक रूपमे काज करै छैथ।

चिन्तामणि- ओ अविवाहिते छैथ।

पुलकित- नै। पत्नी मरि गेलखिन। दोहरा कऽ करता।

चिन्तामणि- (*व्यग्र होइत*) दोहरा कऽ करता। सौतीनक तर तँ नै भेल। मुदा दोती बरसँ कुमारि कन्याक बिआह...। की अपन बेटीक भरि-भरि दिनक उपासक पूजाक फल भगवान यएह देलखिन। मुदा उपाइए की? मृत्युकाल साधारण खढ़ोक आशा पाबि चुट्टी धारक धारामे उगैत-डूमैत जान बचाइए लैत अछि। आशा भेट रहल अछि। बाउ, उमेर केते छैन?

पुलकित- हम दुनू गोरे एक बत्तरिये छी। घरो एक्केठीन अछि।
(*पुलकितकेँ निच्चाँसँ ऊपर माथ धरि निहारि-निहारि चिन्तामणि देखै छैथ*)

चिन्तामणि- बालो-बच्चा छैन?

पुलकित- हँ। एकटा बेटा एकटा बेटी छैन।

चिन्तामणि- तखैन दोहरा कऽ किए बिआह करता?

पुलकित- माए बूढ़े छैन, बिआहक पछाइत बेटी सासुरे बसए लगतैन। नँउऐ-कौंउऐ कऽ बँचलैन बेटा। बेटो सभ तेहेन ढाठी धऽ लेलक जे ओइसँ नीक बेटीए। जे कमसँ कम पावैन-तिहारमे नै सनेस तँ वेनो पठेबे करैए। तँए जुगक अनुकूल अपन-अपन आशा बना जिनगी चलबैत रही।

चिन्तामणि- नीक-नहाँति अहाँक बात नै बुझलौं?

पुलकित- अपने पढ़ल-लिखल नै छी मुदा संगत पाबि किछु बुझल अछि। आगू बढ़ैक होरमे समाज बिखण्डित भऽ रहल अछि जइसँ गामक दशा दिनानुदिन गिरले जा रहल अछि।

चिन्तामणि- (*मुड़ी डोलबैत*) हँ, से तँ भाइए रहल अछि।

पुलकित- अहीं कहू जे किसान परिवारमे जनम लेनिहार किसान बनै छला। पूर्वजक लगौल फुलवाड़ीकेँ कोर-कमठौनक संग पानि ढारै छला जइसँ समाजक हरीअरी बढ़ैत रहल। मुदा कल-कारखाना दिस घुसैक समाजक (गामक) घर खसा रहल अछि। एहेन स्थितिमे की कएल जाए।

चिन्तामणि- बाउ, अहाँ चपरासी छी?

पुलकित- हँ। मुदा बिपैत बाबूक लंगोटिया संगी सेहो छी। हमर माए-बाप गरीब छला, नै पढ़ौलैन। ओ (बिपैत बाबू) बी.ए. पास कऽ कऽ हाइ स्कूलमे शिक्षक बनला। मुदा बच्चेसँ जहिना रहलौं तहिना अखनो छी।

चिन्तामणि- बेटा नै बेटी छी तँए जिनगीक प्रश्न अछि। ओना बिआह लेल डेग उठबैमे ने कोनो बाधा अछि आ ने संकोच। मुदा जेते अधिकार हमरा अछि तइसँ मिसिओ कम माएकेँ नै छैन। तँए डेग उठबैसँ पहिने हुनको पूछि लेब जरूरी अछि। (जोरसँ) केतए छी कनी सुनि लिअ?
(*सावित्रीक प्रवेश*)

सावित्री- की कहलौं?

चिन्तामणि- (*मुस्कीआइत*) तीन सालक चिन्ता हेट भऽ रहल अछि।

सावित्री- (*बिहुँसैत*) से की? से की?

चिन्तामणि- गीताक बिआहक सूहकार आएल अछि। कनी बुझने-सुझने अबै छी। जँ किछु धएल-धरल विचार हुअए तँ अखने कहि दिअ।

सावित्री- राखल जोगाएल विचार की रहत। पेटीमे राखल पुरान साड़ी जकाँ तरेतर सभ गुमसरि गेल। पहिरै जोकर नै रहल। मुदा तैयो तँ कहबे करब जे नोर बहबैत बेटी सरापे नै।

चिन्तामणि- अहाँ अर्द्धांगिनी छी जेकर आड़िपर बेटा-बेटीक गाछ होइ छै। कोनो बात (विचार) जोर दऽ कऽ हँ नै कहाएब। अखैन समय अछि तँए मोनसँ विचार देब तखने डेग उठाएब।

सावित्री- बरक विषएमे किछु कहि दिअ?

पुलकित- शरीरसँ पूर्ण स्वस्थ, हाइ स्कूलमे शिक्षक छैथ। धतपत तीस-पैंतीसक अवस्था हेतैन। पहिल कनियाँ पैछला साल मरि गेलैन। तँए परिवार लेल दोहरा कऽ बिआह करब जरूरी छैन।

सावित्री- नौकरी करै छैथ, तहूमे शिक्षक छैथ। ई तँ दीब बात भेल। जाधैर नोकरी करै छैथ ताधैर तलब भेटतैन आ छुटलाक (रिटायर) उत्तर पेंशन। (*मुस्की दैत*) पाँच कर अन्न आ पाँच हाथ वस्त्रक दुख गीताकेँ नै हएत। गामक नाओं कहू?

पुलकित- धरमपुर।

सावित्री- गामो तँ दुसैबला नहियेँ अछि। लगो अछि। जाबे जीब ताबे आवा-जाही रहबे करत। (*पतिसँ*) एक-दूटा बात विचारणीय अछि।

चिन्तामणि- (*व्यग्र*) से की, से की?

सावित्री- जहाँ धरि उमेरक बात अछि ओहो परमपराक अनुकूले अछि। राजा दशरथ तीनटा बिआह केने रहैथ। किए केने छला? अही दुआरे ने जे पहिल कन्याँसँ सन्तान नै भेलैन। प्रश्न अछि जे सन्तानक प्रतीक्षामे दस बरख समय लगले हेतैन?

चिन्तामणि- कनी सोझरा कऽ कहियौ?

सावित्री- सन्तान नै हेबाक घोषणा (निर्णए) दस बर्खक पछाइते ने होइ छै। तै बीच तँ ओकर प्रतिकार होइ छै। जोग-टोनसँ लऽ कऽ दबाइ-विड़ोमे दस बरख लगिए जाइत अछि।

चिन्तामणि- हँ, से तँ होइते अछि।

सावित्री- पहिलसँ तेसर पत्नीक बीच पनरह-बीस बरख लगिये जाइत अछि। ऐ हिसावसँ लड़का (बर) उपयुक्त छैथ। दोसर प्रश्न अछि दोसर पत्नीक।

चिन्तामणि- हँ, से तँ ऐछे।

सावित्री- दोसर पत्नी तँ ओतए अधला होइत अछि जेतए सौतीन बनि जिनगी चलैत। से तँ नहियेँ अछि। रहल बच्चाक सतमाए होएब? सासु लेल तँ पुतोहुए हएत।

चिन्तामणि- (*मुड़ी डोलबैत*) हँ, से तँ ऐछे?

सावित्री- ई तँ नीके भेल।

चिन्तामणि- केना?

सावित्री- (*हँसैत*) जहिना गुरुसँ श्रेष्ठ सतगुरु होइ छैथ तहिना।

चिन्तामणि- नै बुझलौं?

सावित्री- माएसँ श्रेष्ठ सतमाए ऐ लेल श्रेष्ठ होइत जे माए अपन (कोखिक) सन्तानक सेवा करैत (पालैत-पोसैत) जहन कि सतमाए दोसराकेँ। जँ आन बच्चाक सेवा अपन बच्चा सदृश कियो करैत तँ वएह ने सतमाए भेली।

चिन्तामणि- मुदा...?

सावित्री- हँ। अपना समाजमे सतमाएकेँ सौतिनिया डाहक प्रतीक बुझल जाइत अछि। ठाम-ठीम ऐछो। मुदा (सत-माए) सतमाए तँ ओ भेली जे अपने बच्चा जकाँ दोसरोक बच्चाकेँ बूझि सेवा करए।

चिन्तामणि- (*ठहाका मारि*) आगू बढ़ै छी। ❑

अन्तिम दृश्य-

(*चिन्तामणिकेँ पुलकित स्कूलक अँगनामे ठाढ़ कऽ बिपैत बाबू आ बुद्धिधारी बाबूकेँ बजा अनैत*)
चारू गोरे बैसल।

बुद्धिधारी- अपनेक नाओं?

चिन्तामणि- लोक चिन्तामणि कहैए।

बुद्धिधारी- अपनेकेँ कन्या छैथ?

चिन्तामणि- हँ।

बुद्धिधारी- (*बिपैत बाबूकेँ देखबैत*) यएह बर (लड़का) छैथ। सहयोगी छैथ। हिनक पत्नी पैछला साल मरि गेलखिन। बृद्ध माए आ दूटा बच्चा छैन। आब अपन विचार देल जाउ?

चिन्तामणि- विद्यालयक आँगनमे बैसल छी तँए कहै छी। ओना हम बड़ गरीब छी। उनैस-बीस बर्खक बेटी अछि। तीन सालसँ बिआहक बात मोनमे नाचि रहल अछि मुदा केतौ नाकपर माछी नै बैस रहल अछि।

बुद्धिधारी- अपनेकेँ एक्को-पाइ खर्च नै हएत। बिपैत बाबू कमाइ छैथ। सभ खर्च करता।

चिन्तामणि- केहेन बात बजै छी। ई कहू जे लाम-झामसँ बरियाती नै जाएत। मुदा अपना दरबज्जापर सँ बेटी जमाएकेँ

पाँच हाथ नव वस्त्र पहिरा अरिआति कऽ विदा नै करब से केहेन हएत?

बुद्धिधारी- जहन सम्बन्ध स्थापित कए रहल छी तहन भेद किए?

चिन्तामणि- जहिना आमक गाछकेँ दोसर गाछक डारिमे बान्हि कलम बनौल जाइत अछि तहिना ने दू परिवार मिलि बनैए। मुदा दुनूक अपन-अपन गुण तँ रहिते अछि।

बुद्धिधारी- नै बुझलौं?

चिन्तामणि- हमर कन्या मिथिलाक ललना छी। एकबेर जइ पुरुखसँ हाथ पकड़बैए जिनगी भरि स्वामी, पति आ गुरुभक्त बनि सेवा करैए। कहियो अपन सीमाक उल्लंघन नै करैए। भलेँ राम सन बेटाकेँ पिता वनबास दऽ देलखिन मुदा कौशल्या बात कहाँ कटलकैन।

बुद्धिधारी- से की?

चिन्तामणि- यएह जे रामपर जेते अधिकार पिता दशरथक छेलैन तइसँ कम तँ माए कौशल्याक नै छेलैन। मुदा कहाँ अपन अधिकारक प्रयोग केलैन। आँखि मुनि सुहकारि लेलकैन।

बुद्धिधारी- (*नमहर साँस छोड़ैत*) बिपैतबाबूक परिवार अलग छैन। जेहने अपने छैथ तेहने माए छथिन। दुनू बच्चा तँ गाइयोक बच्चासँ कोमल आ सुशील अछि।

चिन्तामणि- भाग्य हमरा बेटीक जे लगौल फुलवाड़ीक माली बनि सेवा करत।

अन्तिम दृश्य, मिथिलाक बिआहक।



समाप्त।

जगदीश प्रसाद मण्डलजीक रचना संसार

1. भैंटक लावा, 2. बिसाँढ़, 3. पीरारक फड़, 4. अनेरुआ बेटा, 5. दूटा पाइ, 6. बोनिहारिन मरनी, 7. हारि-जीत, 8. ठेलाबला, 9. जीविका, 10. रिक्साबला, 11. चुनवाली, 12. डीहक बटबारा, 13. भैयारी, 14. बहिन, 15. घरदेखिया, 16. पछताबा, 17. डाक्टर हेमन्त, 18. बाबी, 19. कामिनी, 20. मौलाइल गाछक फूल, 21. मिथिलाक बेटी, 22. जिनगीक जीत, 23. उत्थान-पतन, 24. जीवन-संघर्ष, 25. जीवन-मरण, 26. मन-मणि, 27. चल रे जीवन, 28. धोब घाट, 29. सासु-पुतोहु वार्ता, 30. बौड़ाएल बटोही, 31. अपनेपर हँसै छी, 32. धोबि पाट, 33. साँझ, 34. सात्त्विक भाव, 35. दिव्य शक्ति, 36. उड़ियाएल चिड़ै, 37. रणभूमि, 38. सान-धार-धारा, 39. पपीहाक गीत, 40. विषधरक बीख, 41. मिथिला केहेन, 42. मौसमक मुस्की, 43. आशा, 44. आँखि, 45. मधुरस, 46. बीआ, 47. महजाल, 48. बाट, 49. डभियाएल डगर, 50. लज्जैत, 51. गीत, 52. गंग स्नान, 53. फनकी, 54. सभ किछु छै जालेमे, 55. गंगा नहाइ, 56. गोधन पूजा, 57. माटिक फूल, 58. झगड़ा, 59. नजैर, 60. कमलाधार, 61. बाल कविता, 62. विभूत, 63. झूठ-साँच, 64. नव दुनियाँ, 65. पुरुषार्थ, 66. सरस्वती वन्दना, 67. भीड़-भार, 68. सरस्वती हमर, 69. अगहन, 70. केना मेटत गरीबी, 71. संघर्ष, 72. साँझ-भोर, 73. समय, 74. जिनगीक मोड़, 75. अकलबेड़ा, 76. धूप-छाँह, 77. माए, 78. साथी, 79. घरक लोटिया बुड़ले अछि, 80. जुग बदलल जमाना

बदलल, 81. फँसरी, 82. गरीबी, 83. दबाइए रोग, 84. मुँहक झालि, 85. किछु सीखू किछु करू, 86. पत्नी, 87. चेतन चाचा, 88. पौरुष, 89. घोड़ मन- 1, 90. घोड़ मन- 2, 91. घोड़ मन-3, 92. घोड़ मन-4, 93. अलकक चान, 94. शिशवोनी, 95. फगुआ, 96. शील, 97. प्रिय, 98. अपनेपर, 99. डायरी, 100. गाछक रंग बदैल रहल छै, 101. मुँहक हँसी केहेन, 102. झोंक जुआनी झोंकए, 103. बैसले-बैसल नाचि, 104. गुमकीमे वौआए, 105. भूत बनि भुतियाएल, 106. सुखले मे सभ पिछैड़ रहल छै, 107. दीनक दिन केना, 108. कोढ़ पकैड़, 109. जाल समाज, 110. मीत यौ, देहक पानि, 111. आश प्रेम संग, 112. विषय दस, 113. धर्मक फूल, 114. किछु ने करै छी, 115. अपने पाछू, 116. उठी-बैसी, 117. गर-मुड़, 118. मनक बेथा, 119. रहल नै, 120. पकैड़ समय, 121. सतरंग ऐ, 122. दुनियाँक जेहने, 123. चढ़ि अन्हार, 124. एक विष, 125. पेटक ताप, 126. जेहेन मुँह, 127. धार संग नाह, 128. मन मशीन, 129. खट-मीठ, 130. झोंकमे, 131. पबिते पैग, 132. हेल-मेल जाधैर, 133. कौशल जखैन कोसल बनै छै, 134. उमकीमे उमैक, 135. जिनगीक कुंज, 136. सत-चित, 137. स्रष्टाक समग्र रचना, 138. प्रतिभा, 139. मर्म, 140. अधखरूआ, 141. समैयक बेरबादी, 142. पहिने तप तखनि ढलिहेँ, 143. खलीफा उमरक सिनेह, 144. जखने जागी तखने परात, 145. अस्तित्वक समाप्ति, 146. खजाना, 147. उग्रघारा, 148. बेवहारिक, 149. समर्पण, 150. उत्थान-पतन, 151. देवता, 152. पाप आ पुण्य, 153. परख, 154. आलसी, 155. प्रेम, 156. हैरियट स्टो, 157. बुझैक ढंग, 158. श्रमिकक इज्जत, 159. वंश, 160. तियाग, 161. सद्विचार, 162. साहस, 163. बरदास, 164. भूल, 165. धैर्य, 166. मनुखक मूल्य, 167. मदति नै चाही, 168. मेहनतिक दरद,

169. मैक्सिम गोर्की, 170. मूलधन, 171. कपटी मित, 172. भीख, 173. भगवान, 174. एकाग्रचित, 175. सीखैक जिज्ञासा, 176. अनुभव, 177. आसिरवादक विरोध, 178. धर्मक असल रूप, 179. सौन्दर्य, 180. स्तब्ध, 181. एकता, 182. विधवा बिआह, 183. देश सेवाक व्रत, 184. आत्मबल-1, 185. स्वाभिमान, 186. कलंक, 187. बुलकी, 188. भद्रपुरुष, 189. झूठ नै बाजब, 190. आर्दश माए, 191. नारी सम्मान, 192. अनुशासन, 193. सादा जिनगी, 194. विचारक उदय, 195. पुष्ट इकाइसँ समर्थराष्ट बनैत, 196. डर नै करी, 197. आसिरवाद उलैट गेल, 198. रत्न गमेवाक दुख, 199. निशाँ, 200. सामना, 201. शिष्टाचार, 202. ठक, 203. पत्नीक अधिकार, 204. शिनीची सिनेह, 205. सिखबैक उपय, 206. कर्तव्यपरायन सुगा, 207. तस्वीर, 208. मितक प्रयोजन, 209. स्वार्थपूर्ण विचार, 210. संगीक महत, 211. उपहास, 212. महादान, 213. भाग्यवाद, 214. सद्वृति, 215. आश्रम नहि सोभाव बदली, 216. पुरुषार्थ, 217. नैष्ठिक सुधन्वा, 218. सद्गृहस्त, 219. सद्भाव, 220. आलस्य वनाम पिशाच, 221. स्वर्ग आ नर्क, 222. यथार्थक बोध, 223. विद्वताक मद, 224. अनन्त, 225. हँसैत लहास, 226. अनगढ़ चेतना, 227. सत्य विद्या, 228. समता, 229. जेते चोट तेते सक्कत, 230. परिष्कार, 231. कथनी नै करनी, 232. शालीनता, 233. मजूरी, 234. जीवन यात्रा, 235. ज्योति, 236. पवनक विवेक, 237. आत्मबल-2, 238. खुदीराम बोस, 239. शिष्यकेँ शिक्षेटा नै परीक्षो, 240. लौह पुरुष, 241. जंग लगल, 242. जीवकक परीछा, 243. तप, 244. उल्टा अर्थ, 245. जाति नहि पानि, 246. ऊँच-नीच, 247. पागलखाना, 248. केकरो फूल, 249. काज पसैर, 250. धार बीच, 251. फेरो हम, 252. रंगिते काजक, 253. चोरकट चालि, 254. डुमा-डुमी,

255. छाती चढ़ि, 256. ससुरामे जा कऽ धीया, 257. जिनगीक ताक, 258. गोर मुँह, 259. कतरा आम, 260. सुखल पोखरिक, 261. श्रोता कहि, 262. जड़ि जंजालक, 263. उगिते लाज, 264. ओन्हा चालि, 265. गिरैत घर, 266. अना गाहिंस, 267. सुखल पोखरिक, 268. लत्ती जेना, 269. पाटि, 270. गोहि बनि, 271. जेहेन जे, 272. चेत चेता, 273. अन्हर जाल, 274. डायरीक, 275. बरहबटू, 276. चोटी छुबए, 277. खेल-खेलाड़ी, 278. ककोड़बा, 279. सोर बनि, 280. सेज-सिंगार, 281. जएह लूरि, 282. जोति हर, 283. हर हलक, 284. कम्प्रोमाइज, 285. नै धाड़ैए, 286. झमेलिया बिआह, 287. बड़की बहिन, 288. रत्नाकर डकैत, 289. भादवक आठ अन्हार, 290. सधबा-विधबा, 291. स्वयंवर, 292. सतमाए, 293. कल्याणी, 294. समझौता, 295. तामक तमघैल, 296. बिरांगना, 297. दोहरी मारि, 298. केना जीब?, 299. नवान, 300. तिलासंक्रान्तिक लाइ, 301. भाइक सिनेह, 302. प्रेमी, 303. बपौती सम्पैत, 304. डंका, 305. संगी, 306. ठकहरबा, 307. अतहतह, 308. अर्द्धांगिनी, 309. ऑपरेशन, 310. धर्मनाथ, 311. सरोजनी, 312. सुभद्रा, 313. सोनमाकाका, 314. दोती बिआह, 315. पड़ाइन, 316. केतौ नै, 317. बिहरन, 318. मायराम, 319. गोहिक शिकार, 320. मातृभूमि, 321. भबडाह, 322. परिवारक प्रतिष्ठा, 323. फॉगु, 324. लफ साग, 325. तिलकोरक तरुआ, 326. एकोटा ने, 327. धोतीक मान, 328. साझी, 329. सतभैंया पोखैर, 330. न्याय चाही, 331. पनियाहा दूध, 332. कर्ज, 333. परदेशी बेटी, 334. मान, 335. मनोरथ, 336. कियो ने, 337. सूदि भरना, 338. जन्मतिथि, 339. इमानदार घूसखोर, 340. पटियाबला, 341. सनेस, 342. उलबा चाउर, 343. बलजोर, 344. बेटी हम अपराधी छी, 345.

बगबाइर, 346. मुइलो बिसेबैन, 347. सड़ल दारीम, 348. चुप्पा पाल, 349. परदेश जेतै, 350. ओज ओझरी, 351. पानि बीच, 352. बंसी धार, 353. जिनगी जखन, 354. राति-दिन, 355. तेहरौनी, 356. गेल उमरिया, 357. कर-करनाम, 358. मनुख कहाँ, 359. चान कौसिकीय, 360. घट-घट, 361. ओल ओड़ि, 362. निरजन वन, 363. हरबाह, 364. हर हलक, 365. सालक विदाइ, 366. मोनि मन, 367. सेड़ाइते, 368. आँखि मिचौनी, 369. अलकक चान, 370. समाज सजल, 371. सभ मिलि, 372. सोच सकार, 373. अबिते अगहन, 374. उपजल खेत, 375. धूल चरण, 376. उनटन, 377. जान विचार, 378. चालैन-सूप, 379. मरम देखि, 380. वेद-भेद, 381. भक-इजोतमे, 382. जेठुआ गरे, 383. निर्जन वन, 384. छगुन्तामे, 385. पड़ल छी, 386. सुआगत की लए, 387. सुआगत अपनेक, 388. वृद्ध केना, 389. समय केर, 390. भगवती गीत, 391. हाल-बेहाल, 392. शीला शील, 393. रंग सियाही, 394. दिन घटतै, 395. उठिते आगि, 396. छप्पर किए, 397. गामसँ किए, 398. बेढब रूप, 399. संग जिनगी, 400. सबहक जिनगी, 401. सुन मैया गे, 402. पकैड़ तान, 403. भोरे कनी जगा देब, 404. पकैड़ पग, 405. संच-मंच रहए कहाँ दइए, 406. ओस बनि, 407. बाढ़िमे सभ, 408. हेराएल-ढेराएल, 409. मीत यौ अहींकेँ कहै छी, 410. अजीब-अजीब, 411. अपने ताले, 412. पग-पग, 413. मीत यौ, 414. निरमोही बौआ, 415. अपना गतिये, 416. भजार यौ, 417. हे बहिनी, 418. हे बहिना, हे दीदी, 419. सुक्खक अतृप्त, 420. नढ़ड़ा हेल हेलै छी, 421. अहीं कहू, 422. चलू उचितपुर देश, 423. कानि कलैप, 424. बुधिये बाट, 425. जुग-जुग, 426. घात लगौने, 427. देहमे नमहर, 428. अपन बल, 429. जीवन धार, 430. लाजे

मेटा गेल, 431. खढ़ पोस पानि, 432. परता माटि, 433. शिकारी, 434. जीवन, 435. जिनगीक बीच जिनगी, 436. दिन रातिक खेल, 437. सतबेध, 438. किछु ने बुझै छी, 439. गुरुत्तर, 440. जिनगीक मोड़, 441. मरहन बाट, 442. कविता, 443. घाट-बाट, 444. चलैत पंखाक, 445. सुमति-कुमति, 446. हँसि हंस, 447. खचरमणि, 448. किसानक देश, 449. भारत, 450. जिनगीक संगीत, 451. सुगति, 452. संगीत, 453. ब्रह बाट, 454. रस्तेमे लसका गेलिऐ, 455. एक दस मंत्र छै, 456. वंचित धार, 457. पाइक मोल, 458. हे दुनियाँक केर भाग-विधाता, 459. कलेससँ कलैशते भैया, 460. चुनौती, 461. मानव गुण, 462. छुटि गेल, 463. मरल घाट, 464. हल्लुक काज, 465. बीघा भरि चास-बास, 466. पट्टा छीमी, 467. बदरीहन, 468. बालि वध, 469. अनेरुआ वन, 470. फँसरी, 471. विचलित मन, 472. गुड़ घाव, 473. एकटा बताह, 474. हुसि गेल, 475. अखड़ा जिनगी, 476. बिटगरहा, 477. बाल गीत, 478. गाछी भुताहि, 479. अंडीक छाहैर, 480. परदेशी, 481. अन्हराएल छी, 482. ओ दिन, 483. सती-वेश्या, 484. दूजा भाव, 485. जीबैले लड़ए पड़ै छै, 486. पगलखना, 487. बाढ़िक सनेस, 488. अगो-लोढ़ा, 489. हथियाक झटकी, 490. रहसा चौरी, 491. बेरोजगारी, 492. लीढ़ी पोखैर, 493. बकरी भेराड़ी, 494. महगी, 495. जरनबिछनी, 496. नव-फल, 497. पू-भर, 498. चौरीक, 599. धनकटनी, 500. किसान, 501. टुटैत जिनगी, 502. कविता, 503. बुड़िबकी, 504. गाछी भुताह, 505. वोनक आगि, 506. बीतल बर्खक विदाइ, 507. संगी, 508. बेथा, 509. धब्बा, 510. पितृपक्षक भोज, 511. ठनका, 512. झपासा, 513. शिवचरन, 514. चौरचनक छाँछी, 515. भरदुतिया, 516. फुसि, 517. चिक्कैन माटि, 518. झारू-

बाढ़ैन, 519. मेवाक फल, 520. चपरासी भाय, 521. नोत, 522. लटुआ, 523. एकैसम, 524. सदीक देश, 525. मधुमाछी, 526. जुआनी, 527. तरंग, 528. ऐ पढ़बसँ मुरखे रहितौं, 529. मइटुग्गर, 530. शम्भुदास, 531. फाँसी, 532. कचोट, 533. काँच सूत, 534. बुधनी दादी, 535. खिलतोड़, 536. मुँह-कान, 537. अनदिना, 538. अपन काज, 539. दूरी, 540. पुरनी भौजी, 541. छुटि गेल, 542. काल्हि दिन, 543. अप्पन हारि, 544. कनफुसकी, 545. मुँहक बात मुहेँमे, 546. कनीटा बात, 547. गति-गुद्दा, 548. बिसवास, 549. कचहरिया भाय, 550. गोहाइर, 551. शिवजीक डाक-बाक्, 552. सोग, 553. पनचैती, 554. कनमन, 555. अजाति, 556. पटोर, 557. फुसियाह, 558. गति-मुक्ति, 559. चौकीदारी, 560. झगड़ाउ-झोटैला, 561. घबाह ट्यूशन, 562. दादी-माँ, 563. पटोटन, 564. मुसाइ पण्डित, 565. भरमे-सरम, 566. देखल दिन, 567. फज्झैत, 568. अकास दीप, 569. बुधि-बधिया, 570. पहाड़क बेथा, 571. उमकी, 572. बजन्ता-बुझन्ता, 573. चर्मरोग, 574. शंका, 575. ओसार, 576. छोटका काका, 577. सीमा-सरहद, 578. रमैत जोगी बोहैत पानि, 579. गंजन, 580. सजए, 581. घटक बाबा, 582. आने जकाँ, 583. दान-दछिना, 584. उड़हैड़, 585. मत्हानि, 586. मेकचो, 587. झुटका विदाइ, 588. मुँहक खतियान, 589. कोसलिया, 590. हूसि गेल, 591. पोखला कटहर, 592. सरही सौबजा, 593. तेरहो करम, 594. डुमैत जिनगी, 595. चोर-सिपाही, 596. दूधबला, 597. टाइपिस्ट, 598. समदाही, 599. बुढ़िया दादी, 600. एक धाप जमीन, 601. ओझरी, 602. मुसहैन, 603. केलवारी, 604. स्वरोजगार, 605. घूर, 606. कनियाँ-पुतरा, 607. वारंट, 608. गामक मुँह फेर देखब, 619. पेटगनाह, 610. जनक हाथे

खेती, 611. मूसक घटक, 612. ग्लानि, 613. गरियबैक समय, 614. दोस्ती नै धाड़ैए, 615. कलंक, 616. भभटपन, 617. खाँटी तेल, 618. दोस्ती, 619. ओटघन पाबैन, 620. बौआ कक्काक ढौआ, 621. अठन्नी, 622. गुण, 623. गढ़ैनगर हाथ, 624. सासुरक गारि, 625. खिचड़ी मोछ, 626. पाइक मोल, 627. चोरूक्का झगड़ा, 628. अपसोच, 629. पतझाड़, 630. झीसीक मजा, 631. मति-गति, 632. रिजल्ट, 633. अपन सन मुँह, 634. सुमति, 635. फेर पुछबैन, 636. माघक घूर, 637. खर्च, 638. अखरा-दोखरा, 639. पेटगनाह, 640. बड़की माता, 641. धरती-अकास, 642. बकठाँइ, 643. चैन-बेचैन, 644. हथियाएल खुरपी, 645. अलपुरिया बरी, 646. नीक बोल, 647. सुआद, 648. गंगा नहेलौं, 649. भौंटक गहमी, 650. भँसैत नाह, 651. पान पराग, 652. सिरमा, 653. नौमीक हकार, 654. फोंक मकड़, 655. केते लग केते दूर, 656. अभिनव अनुभव, 657. खोंटकर्मा, 658. किछु ने, 659. झकास, 660. अप्पन-बीरान, 661. सजमनियाँ आम, 662. अर्जुन रोग, 663. गरदैन कट्टा बेटा, 664. नैहराक धाड़, 665. अवाक, 666. पोखैरक सैरात, 667. दनियाँ डाबा, 668. धरम काँट, 669. पल भरि, 670. किरदानी, 671. सगहा, 672. अकाल, 673. उझट बात, 674. कर्जखौक, 675. उनटन, 676. रेहना चाची, 677. बुधनी दादी, 678. अउतरित प्रश्न, 679. हारि, 680. सोनाक सुइत, 681. मरुभूमि, 682. असगरे, 683. पुरनी नानी, 684. कटा-कटी, 685. केते लग केते दूर, 686. गलती अपने भेल, 687. चोरक चोरबती, 688. घर तोड़ि देलिऐ, 689. सजल स्मृति, 690. सनेस, 691. सए कच्छे, 692. एक मुठी घास, 693. करिछौंह मुँह, 694. पुरस्कार, 695. गावीस मोइस, 696. मनकमना, 697. घरवास, 698. समधीन, 699. चापाकलक

पाइप, 700. कलम हानि कऽ, 701. लतियाएल जिनगी, 702. गामक शकल-सूरत, 703. जितिया पाबैन, 704. सुखाएल सूरत, 705. भैयारी हक, 706. ठकुआएल भुसवा, 707. खुदियाएल, 708. खटहा आम, 709. ढकरपेँच, 710. असहाज, 711. समरथाइक भूत, 712. विदाइ, 713. खलओदार, 714. मनुखदेवा, 715. उमेद, 716. गलगर भैंस, 717. जाड़ फाटि गेल, 718. सुरता, 719. असुध मन, 720. धरमूदासक अखड़ाहा, 721. ठोररंगू, 722. लगबे ने कएल, 723. उकड़ू समय, 724. चास-बास दुनू गेल, 725. चौरचनक दही, 726. अपन मन अपन धन, 727. टुटली मरैया, 728. हकार, 729. दहेजुआ गाए, 730. मेटाइत जिनगी, 731. धुर बुड़ि तोरा बजै ने अबै छौ!, 732. लेहाज, 733. विचार हेरा गेल, 734. ओ दिन, 735. उरीन, 736. नहरकन्हा, 737. बटखौक, 738. पसेनाक धरम, 739. जेठुआ गरदा, 740. हँसीएमे उड़ि गेलौं, 741. बुड़िबकहा बुड़िबक बनौलक, 742. हमर बाइनिक विचार, 743. नोकरिहारा, 744. घसवाहि, 745. तेतर भाइक कविता, 746. छूआ, 747. दोसराइत, 748. लछनमान, 749. हमर कोन दोख, 750. मौसी, 751. नटकिया गति, 752. खाए चाहैए, 753. मधुमाछी, 754. दनगर घास, 755. सझिया खेती, 756. मुफतिया माल, 757. मथाहाथ, 758. पहपैट, 759. इजोरिया राति, 760. तीन जुगिया भाय, 761. अँगनेमे हेरा गेलौं, 762. डकरा हाल, 763. जेतए जे हौउ, 764. गठूलाक गारि, 765. कनी हमरो सुनू, 766. गामक बान्ह, 767. गुड़ा खुद्दीक रोटी, 768. सीरक गाछ, 769. हरदीक हरदा, 770. जाम, 771. गण्डा, 772. हाथी आ मूस, 773. मुसरी आ घोड़ा, 774. फलहार, 775. भोरक झगड़ा, 776. क्रियाशील, 777. आइ एम शॉरी, 778. ओऽ होऽ होऽ हूसि गेल, 779. मीनी भ्रष्टाचार, 780. गजपट खेती, 781. समुद्री

विद्या, 782. राकशे रहि गेलौं, 783. निनिया देवीक आराधना, 784. बताहे बताह बनौलक, 785. धोखा, 786. खसैत गाछ, 787. ठूठ गाछ, 788. वैष्णवी भगवती, 789. प्रीगर शत्रु, 790. एगच्छा आमक गाछ, 791. माघ नहाइले जाएब, 792. एक घोंट पानि, 793. एते दिन अपना-ले आब अनका-ले, 794. माइक वचन, 795. पान, 796. आजुक जिनगीक आइ परीक्षा, 797. शुभचिन्तक, 798. करिछौन लाली, 789. मोहरा, 800. अपन पुरखाक डीह, 801. जेना हाथी रही, 802. कठफल, 803. गामे उपैट गेल, 804. झूठे, 805. लाही, 806. परतीहा खढ़, 807. उजगी, 808. हाथक जिनगी, 809. गाछपर सँ खसला, 810. केतौ ने रहलौं, 811. अपने केलहा, 812. बत्तु, 813. कछमछी, 814. गैत-वीध, 815. दियरबा-भैंसुर, 816. एक दिन, 817. दुधियाएल बरखा, 818. गलफूलू, 819. बिटगरहा, 820. आब नइ आगि लगैए, 821. कटौज, 822. बाल बोध, 823. डभियाएल गाम, 824. एकबोलिया दादी, 825. मरियाएल मन, 826. त्राहि-कृष्ण, 827. कन्हा भँट्टा, 828. जिगेसा, 829. गुलेती दास, 830. भोलानाथ बाबा, 831. दुरकाल, 832. कलंक, 833. अड़िकट्टा चोर, 834. बगदल गाम, 835. बत्तीसोअना, 836. कचहरिया रोग, 837. दिन घटि गेल, 838. मुड़ियाएल घर, 839. गामक सुरता, 840. खतियाएल घर, 841. बात-कथा सुनौलक, 842. अनका बेर ओंघी, 843. देव उठान, 844. नमहर घरक चोरि, 845. भोरक सपना, 846. बालमण्डली, 847. धोखा केतए भेल, 848. माघक चाह, 849. भँसियाएल बाल-बोध, 850. माघक घूर, 851. पाही पट्टी, 852. बीरांगना, 853. स्मृति शेष, 854. मनकेँ फुसलबै छी, 855. चहकल विचार, 856. विदाइ-दैछना, 857. बीरांगना, 858. पकिया चेला, 859. कान फुटल कप, 860. वर्थ डे, 861. जानक मोल, 862.

गामक कटान, 863. कर्ज, 864. बेटीक लिलसा, 865. अपन गारि अपन दुआरि, 866. बेटीक पैरुख, 867. बेटीक कुभेला, 868. अपन रोपल गाछी भुताहि, 869. बलधकेल कटौज, 870. जारैनक दुख मेटा गेल, 871. पढ़ल सुगा बौक, 872. हरवाहि, 873. क्रान्तियोग, 874. उचितवक्ता, 875. खेतक बँटवारा, 876. विघटन, 877. टुटल मनक जुटान, 878. बाबा बेलेश्वरनाथ, 879. भुतलग्गू आकि भविसलग्गू, 880. मर्माहत, 881. गुणहीन, 882. समझौता, 883. जेकर चुन तेकर पुन, 884. त्रिकालदर्शी, 885. नमहर फेरा, 886. आशापर पानि पड़ल, 887. कोढ़िया सरधुआ, 888. बेटपन, 889. छातीक हार, 890. उमेरक लेहाज, 891. पैंतीस साल पछुआ गेलौं, 892. इज्जत गमा इज्जत बँचेलौं, 893. पुरान साड़ी, 894. गाम बिसैर गेल, 895. ऐँठ साड़ी, 896. लहसन, 897. किछु ने फुरैए, 898. महिरम, 899. बेर परहक भदवा, 900. सड़क-कातक खेत, 901. दोहरी हाक, 902. पाइक इज्जत, 903. सेहन्ता, 904. राक्षसक झड़, 905. बेरपर, 906. केकरा-ले केलौं, 907. स्वाभिमानी जिनगी, 908. बाबाक बाग-बगिया, 909. अब-तब, 910. अगिलह, 911. कुकुरपन, 912. हेराएल जिनगी, 913. आशापर पानि फेर गेल, 914. देखल दिन, 915. इज्जत उतैर गेल, 916. संकट, 917. एकतीस मार्च, 918. गेल माघ उनतीस दिन बाँकी, 919. बापक चलैत, 920. बेटाक चलैत, 921. प्रवल इच्छा, 922. पंगु, 923. ठका गेलौं, 924. हारि-जीत, 925. पनचैती पनपना गेल, 926. कुघाटक मृत्यु, 927. एक तम्मा सिदहा, 928. कियो ने पुछैए, 929. केकरो कियो ने, 930. गपक पियाहुल लोक, 931. उदय-प्रलय, 932. हमरा नीक नहि लगैए, 933. भारीपन भार बनि गेल, 934. मानसरोवरक यात्रा, 935. करतब, 936. आमक गाछी, 937. अनचोकक अन्हार, 938. अपन

बुधियारी अपने खेलक, 939. चटवाह, 940. भगैतिया, 941. अधमरू साँपक फुफकार, 942. यादास्त, 943. हमर मेला चोरि भऽ गेल, 944. गरदैन हलैल गेल, 945. दिवालीक दीप, 946. हारि केना मानब, 947. अप्पन गाम, 948. परिछन, 949. झूठ सपना, 950. जिनगीक अन्तिम फल, 951. चरणबाबूक टैक्सी, 952. पुस्तकालय, 953. विचारभेद, 954. एकरवा बानर, 955. फकीरबा स्थान, 956. रंगमे भंग, 957. खिलतोड़ भूमि, 958. बैगनक बगान बनरा गेल, तूँ मुँह तकै छह, 959. मटरक अजोह दाना, 960. फुइसिक रग्गड़, 961. उखमज, 962. एकभग्गू बेटा, 963. अगुताइ भेल, 964. थैंक्यू पापा, 965. किसुनपुराक हाट, 966. धनखेतीक बैगन, 967. चितवनक शिकार, 968. बुढ़ भेलौं तँ दुइर गेलौं, 969. धुआ साड़ी, 970. राजरोग, 971. संकल्प, 972. एकटा नमहर दुख मेटा गेल, 973. काजक मोल, 974. एतए बसव कठिन अछि, 975. स्वनिर्मित जिनगी, 976. कपटलालक मृत्यु, 977. गामक ढहल समाज, 978. लजगर लोक, 979. खरिहाँन उपैट गेल, 980. पगलपन, 981. छलाननक सराध, 982. छाती बज्जर केलौं, 983. नाँहकमे दोख, 984. सग्गा पिऔज, 985. गाछसँ नमहर फड़, 986. जिनगीमे जान आएल, 987. जे संग नइ औत ओकरा संग नइ जेबै, 988. चौरस खेतक चौरस उपज, 989. सिकिया नेता, मजदूर दिवस, 990. मुँह खुजिते नाक कटि गेल, 991. जेकरे भर तेकरे डर, 992. ललियाएल चेहरा करियाएल मन, 993. पुरुखक भर, 994. भकमोड़मे पड़ि गेलौं, 995. अपन इमान मरि गेल, 996. गामक रूप बदैल देब, 997. कुभेला, 998. देखौंस, 999. समयसँ पहिने चेत किसान, 1000. काजक मेहपन, 1001. पनरह किलोक कदीमा, 1002. फेर नढ़रो बेल तर जेती, 1003. काजक धुनि, 1004. सोरहामे सुर्रा लगि गेल, 1005.

अगराही, 1006. जेकरे-ले चोरि केलौं सएह कहैए चोरा, 1007. भौक, 1008. मनतरक पावर, 1009. हाल-चाल, 1010. अधमरु साँपक डँस, 1011. के मानत?, 1012. दियादीक फेड़, 1013. वाह रे आदत, 1014. कटबी सुइद, 1015. तिलकौआ छत्ता, 1016. अपने जिनगी भार बनि गेल, 1017. कलेश, 1018. गामक आशा टुटि गेल, 1019. आब इज्जत नइ बँचत, 1020. अँगनाक बीरार, 1021. भेँट-घाँट, 1022. कोसा, 1023. दहेजक गाए, 1024. चलती, 1025. तीन बुड़िवान, 1026. एकाधिकारी जाति, 1027. अपन करखन्ना, 1028. लड़कपन, 1029. कुद्दष्टि, 1030. हकार, 1031. दलखिच्चड़मे घी, 1032. दोहरी दहार, 1033. पसेनाक मोल, 1034. बुढ़ापा, 1035. पुरना घराड़ी, 1036. जगरनथिया भोज, 1037. कृषियोग, 1038. काजक रोप, 1039. खटसमाद, 1040. जीबठपन, 1041. गोटी लाल, 1042. अपनाकेँ चिन्हैत चलिहह, 1043. दहेज, 1044. जेहेन मति तेहेन गति, 1045. केते लग केते दूर, 1046. अपन कर्तव्य आकि उपकार, 1047. जिनगी भौर भेलह हेन, 1048. वसन्त पंचमी, 1049. चुटका सुतरल, 1050. हारल चेहरा जीतल रूप, 1051. अग्नि परीछा, 1052. आसीरवचन, 1053. दहिबरी, 1054. सघन बन, 1055. हुसैत लोक, 1056. हुसि गेलौं, 1057. झूठक झालि, 1058. दुष्टपन, 1059. रहै जोकर परिवार, 1060. परिपक्क निरलज, 1061. अप्पन काज अपने चिन्हू, 1062. लजाउ काज, 1063. कामधेनु, 1064. जिनगीक कुंज, 1065. सत-चित, 1066. पड़िते पएर पवन पोखैर, 1067. अहाँ किए रूसल छी, 1068. घट-घट घोंट, 1069. जहिना बारह दिन बजै छै, 1070. दुनियाँ घोड़ाएल छै निशाँमे, 1071. बहैल बहील बहिला कहै छै, 1072. हलचल जिनगी हलैस-कलैश, 1073. टकटक ताक, 1074. भीख मांगि (नचारी) , 1075. बकरी खुट्टी, 1076. अमरा

अँचार, 1077. घरे-घरे, 1078. बेटी किए, 1079. मनक भाव, 1080. सिरजन सिर, 1081. कलश पल्लव भरैत रहै छै, 1082. मारी-बेमारी, 1083. हिम-गिरि, 1084. भुवन भुचल, 1085. खुजिते आँखि, 1086. मुड़जन मनुहर, 1087. गोधुलि-बेल, 1088. दौड़ि-दौड़, 1089. चोट-चाट, 1090. चाइन चेन, 1091. दीनक दोख, 1092. सगर समनदर, 1093. चप-चप चपा गेलिऐ, 1094. संगे-संग, 1095. आभा मण्डल, 1096. संग जिनगी खेल होइत एलैए, 1097. नजैर कहाँ बदलल, 1098. देख टराटक पड़ल रहै छी, 1099. माइक माइपन, 1100. इच्छा- 01, 1101. इच्छा- 02, 1102. मन मथनी, 1103. केकरा कहब नवदिन सगुन?, 1104. अप्पन दिन कहिया औतै, 1105. बलकस चास, 1106. अपनेपर हँसै छी, 1107. केकरा कहब नव दिन सगुन, 1108. बन्ध-बन्धन, 1109. नँगरकट घोड़ा, 1110. गीत, 1111. फुलबतिया, 1112. करैलाक फूल, 1113. गिरहकट्टा, 1114. पैछला गणित, 1115. कॉमन सेन्स, 1116. चास-बास, 1117. ढहल गाम, 1118. सघन वन, 1119. मानब धारण धड़ैत एलैए, 1120. नजैर-नजैरमे तफरका भैया, 1121. अपने मन ठकैए, 1122. केकरो गारि सुगारि, 1123. साँझ-भोर, 1124. समाजक बान्ह छेक, 1125. दियादी, 1126. ओइ पोखरिक मानियैं की?, 1127. नवका बास, 1128. जिनगीमे जे, 1129. हे बहिना केनाकऽ जेबै ओइ, 1130. घरिया, 1131. हे आशुतोष, 1132. मनक फूल, 1133. फूल मनक, 1134. बेकाल-काल, 1135. जेहेन जेकर, 1136. समय-साल, 1137. संग मान-समान, 1138. जेहने शक्तिक रंग रहै छै, 1139. खेल खेलौना, 1140. प्रेमी पिया, 1141. बिसैर गेल, 1142. आबो कनी विचारू, 1143. सुआगत अपनेक, 1144. वृद्ध केना, 1145. समय केर, 1146. भगवती गीत, 1147. आनक बोझ, 1148. अड़कन-मरकन, 1149.

हाल-बेहाल, 1150. आजादीक उमंग, 1151. बुधिये भोतिया गेल, 1152. घर-घरा, 1153. जा बौआ, 1154. लत-लत लत्ती, 1155. पीड़ित रीति, 1156. अकार-सकार, 1157. टेनशन बीच पड़ल छी, 1158. आन्ही-अन्हर, 1159. सुफल काज, 1160. सुचिता, 1161. सीमावद्ध जीवन, 1162. कर्ताक रंग कर्मक संग, 1163. जिनगीक हिसाब, 1164. अपना जनैत, 1165. सुद्दढ़ जिनगी, 1166. मुराम जगह, 1167. गामक सूरत बदैल गेल, 1168. दोसर रस्ता नहि, 1169. विचारधाराक भथान, 1170. परिवार बिलैट गेल, 1171. अनचोकक इजोत, 1172. केलहा सभ पानिमे गेल, 1173. पएर तरक धरती डोलि गेल, 1174. जबुरिया कागज, 1175. बेटाक बिआह, 1176. जीवनमे जान आएल, 1177. पोसलाक फल, 1178. अन्तिम परीक्षा, 1179. गाम आब ओ गाम रहल!, 1180. जिनकर जीत तिनकर माला, 1181. नवका लोक, 1182. काजक उत्तर काज, 1183. घरक खर्च, 1184. समाजक भागे, 1185. बाबा हाथक कोदारि हल्लुक, 1186. परिवारक विघटन, 1187. हारल विचार, 1188. मोड़पर, 1189. संकल्प, 1190. अन्तिम क्षण, 1191. परिवारे गजपटा गेल, 1192. समयक थपेड़मे, 1193. की सत्त की फुइस?, 1194. कुभाँज समयक भाँजमे, 1195. देखल गाम, 1196. अपना ले, 1197. तीन धक्का, 1198. अजीब खेल, 1199. नीक ठकान ठकेलौं, 1200. केकरो भरोस, 1201. बाड़ी भेल धनहर, 1202. कुण्ठा, 1203. सुद्दढ़ जीवन, 1204. सागवानक बागवानी, 1205. बिनु खुट्टाक गाए, 1206. जीवनक कर्म जीवनक मर्म, 1207. घरैया मूस, 1208. टुटि कऽ खसि पड़लैन, 1209. अवतारवाद, 1210. संस्कार आ संस्कार गीत, 1211. वर्चस्ववादी संस्कृति बनाम हाशियाक समाजक संघर्ष, 1212. अन्तर्राष्ट्रीय मैथिली सम्मेलन गुवाहाटी, 1213. सगर राति दीप जरयक कथागोष्ठीक मादे,

1214. वेब प्रोग्राम, 1215. महाकवि लालदास, 1216. भाय राजनन्दन लाल दासजीक जीवन यात्रा, 1217. मैथिली भाषाक दशा ओ दिशा, 1218. उपन्यासमे ग्रामीण चित्रण, 1219. मनक बात हेरा गेल, 1220. नचैत मोन पड़ाइत गेल, 1221. मौसम बदैल गेल, 1222. दोहरा-दोहरा पुछबे करतै, 1223. भाव-अभाव कुभाव बनैत गेल, 1224. संग छोड़ि पड़ाइत गेल, 1225. मृत्युसजियापर पड़ल विवेक बाबा, 1226. संचरण, 1227. जिनगीसँ प्रेम, 1228. परिवारे बगैद गेल, 1229. जिनगी पिछैड़ गेल, 1230. श्रमहीन, 1231. समुद्रलंघन, 1232. परिवारक भार, 1233. हीन-हीनाइत विवेक, 1234. चेहराक निखार, 1235. भरि मन काज, 1236. विचारे मरि गेल, 1237. मृत्युक भय मेटा गेल, 1238. घरक बात, 1239. अप्पन दलान, 1240. कंजूसपन, 1241. आएल आशा चलि गेल, 1242. अकारण, 1243. अछोप, 1244. अप्पन बेइमानी, 1245. उनटन, 1246. अर्द्धांगिनी, 1247. बहवाँइर, 1248. पाक मास्टर, 1249. साइंस टीचर, 1250. इज्जत लऽ लेलक, 1251. निसगर पान, 1252. विरोध, 1253. जीवन दान, 1254. बाग-बगिया, 1255. विश्वास पात्र, 1256. विचारक टिटकारी, 1257. लत, 1258. जीवन खटाइमे पड़ि गेल, 1259. कर्ज, 1260. बहादुरी, 1261. हमरो खगता छै, 1262. सपना, 1263. संगे-संग एलौं संगिया मरि गेल हम भुतिआइ छी, 1264. उवाणि, 1265. विचारक प्रबलता, 1266. अपन रचित रचना, 1267. थाहल संगी, 1268. आत्मबल, 1269. विश्वासहीन, 1270. बुलन्दी, 1271. अप्पन साती, 1272. खिच्चड़ि, 1273. भंगतराह कवि, 1274. भंगतराह कवि, 1275. कनियेँ-मनियेँ पूँजी, 1276. पुरुखढौह, 1277. सिमानक झगड़ा, 1278. जिनगी भार बनि गेल, 1279. परिवारक योग, 1280. मनुक्ख खौक, 1281. साहित्यकारक विवेक, 1282. भाषाक बेथा,

1283. बुझबे ने केलिऐ, 1284. जीवनक सम्बन्ध, 1285. गैंचाह लोक, 1286. जिनगीकेँ पटैक भगलौं, 1287. अन्तिम आशा, 1288. गजपट मारि, 1289. कन्हजोड़, 1290. अनहोनी, 1291. होनी, 1292. भवितव्य, 1293. ओसचट बीमारी, 1294. पुत्र परीक्षा, 1295. अप्पन मन बुझाएब, 1296. जड़ौर, 1297. अलोपित, 1298. कुमहरक बतिया, 1299. सिमानक आड़ि, 1300. नब बनक नब फल, 1301. सुमारक, 1302. अन्तिम भेँट, 1303. अनहरिया, 1304. निरन्तर, 1305. शॉर्टकट रास्ता, 1306. अपेछा टुटि गेल, 1307. सुनयना बेटी, 1308. आब नइ जीब, 1309. सेहन्ता सेहन्ते रहि गेल, 1310. धुरफन्ना लोक, 1311. घरदेखी, 1312. बासभूमि, 1313. इज्जतपर पड़ि गेल, 1314. अहीं जीतलौं, 1315. गामसँ गाए उपैट गेल, 1316. भारक बड़बड़िया, 1317. रूपेँ बदैल गेल, 1318. वंशक धर्म, 1319. उपराग, 1320. केकरा भगाउ आ केकरा बसाउ, 1321. खीरा लत्तीमे रोजगार, 1322. टकुआटान, 1323. पोस्टमार्टम, 1324. ऐ सालक नाह बुड़ि गेल, 1325. सामंजस्य, 1326. महींसवारक गाम, 1327. दसअना छहअनाए, 1328. वाह रे हम, 1329. एक जूम तमाकुल, 1330. चपरासीक गाम, 1331. बनरफाँस, 1332. हँस्सा ठक, 1333. विश्वासू मन, 1334. चोरनी पिल्ली, 1335. गामक जमीने पथरा गेल, 1336. एकलव्यपन, 1337. केलहा साफल, 1338. त्रिशूलपर लटकल गाम, 1339. त्रिशंकू गाम, 1340. चारिम कनियाँ, 1341. वंश नाश, 1342. लोक लाज, 1343. धानक कमठौन, 1344. एक चुटकी खुशी, 1345. अनका सिरे, 1346. समयक फेड़, 1347. कोढ़ि, 1348. मुहाँ-ठुठ्ठी, 1349. औनाकऽ मरए लगलौं, 1350. जेहेन आँखि तेहेन पाँखि, 1351. चौरचनक केरा, 1352. सुख-दुख, 1353. दुख-सुख, 1354. जीवन की आ जीवनक उद्देश्य की, 1355.

अंधविश्वास, 1356. बखेरिया लोक, 1357. नव जीवन, 1358. प्रीति, 1359. पुरुषार्थ, 1360. मन टँगि गेल, 1361. नियति आ पुरुषार्थ, 1362. जे ननू से गर्भहि ननू, 1363. पुरुखक डीह, 1364. पाशापर, 1365. संचरण, 1366. कंजूस, 1367. बाबाक पौती, 1368. भँसिया गेलौं, 1369. उबारि देलौं, 1370. श्रद्धा, 1371. केकरोपर आश्रित, 1372. समैया लुच्चा, 1373. उकड़ू समयमे सुकड़ू काज जारी...

❑❑❑

❑❑

❑

Notes